M.A. (Hindi) (NEP Pattern) Semester-III

S3MAHINJC1 - Core Paper-I : Prachin Avm Madhyakalin kavya

P. Pages : 3 | **GUG/W/24/15549**

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचना :- सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित पद्यांशो में से **किन्हीं तीन** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **30**

क) "साजि चतुरंग वीर रंग मै तुरंग चढ़ि,
सरजा सिवाजी जंग जीता चलत है।
भूषण भनत नाद बिहद नगारन के,
नदी नद मद गैबरन के रलत है।"

ख) "प्रगट भार व्दिजराज कुल, सुबंरन बसे ब्रज आइ।
मेरौ हरौ कलेस सब, केशव केसवराइ॥
तजि तीरथ हरि राधिका, तन-दुति करि अनुराग।
जिहिं ब्रज केलि निकुंज मग, पग-पग होत प्रयाग"॥

ग) मध्द अकास जहँ बैठे, जोत सब्द उजियारा हो।
सेत सरुप राग जँह फूलै, साईं करत बिहारा हो।
कोटिन चंद-सूर द्विप जैहैं, एक रोम उजियारा हो।
वही पार एक नगर बसुत है, बरसत अमृतधारा हो।
कहै कबीर सुनौ धृमदासा, लखो पुरुष दरबारा हो।

घ) "हौं तुम पै ब्रजनाथ पढ़ायो। आत्मज्ञान सिखावन आयो
आपुहि पुरुष आपुहिं नारी। आपुहि बानप्रस्थ ब्रतधारी
आपुहिं पिता, आपुहि माता। आपुहि भगिनी, आपुहि भ्राता
आपुहि पंडित, आपुहि ज्ञानी। आपुहि राजा, आपुहि रानी।
आपुहि धरती, आपुहि अकाशा। आपुहि स्वामी, आपुहि दासा।

च) ऊधौं कहैं धन्य ब्रजवाल। जिनके सर्बस मदनगोपाल।
वह मत त्याज्यों, यह मति आई। तुम्हरे दरस भगति में पाई॥
तुम मम गुरु मैं दास तुम्हारो। भगति सुनाइ जगत निस्तारों॥
भ्रमरगीत जै सुनै सुनावै। प्रेम भक्ति सो प्रानी पावै॥
सूरदास गोपी बड़भागी। हरिदर्शन को लगोरी लागी॥

छ) वह अच्युत अविगत अविनाशी। सगुन-रहित बपु, घरे न दासी॥
हे गोपी सुन बात हमारी। है वह सुन्य सुनह ब्रजनारी॥
नहिं दासी ठकुरानी कोई। जहँ देखहुँ तई ब्रह्महि सोई॥
आपुहि औरहिं ब्रम्हाहि जानै। ब्रम्हाबिना दूसर नहिं मानै॥

2. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से **किसी एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए। **10**

i) बिहारी का काव्य 'गागर में सागर' है। इस उक्ति को स्पष्ट करते हुए विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

ii) भ्रमरगीत सार की रचनाओं में सूरदास की वाक्पटुता सफल सिध्द हुई है। इस कथन की समीक्षा कीजिए।

3. निम्नलिखित लघुत्तरी प्रश्नों में से **किन्ही पांच** के उत्तर दस से बारह पंक्तियों में लिखिए। **20**

1) भूषण का संक्षिप्त परिचय लिखिए।

2) केशव जी की भक्तिभावना की विशेषताएँ लिखिए।

3) श्रीकृष्ण के बालरुप की वर्णन रसखानजी ने किस प्रकार किया है?

4) सूरदास जी के भक्तिभावना की दो विशेषताएँ लिखिए।

5) बिहारी के काव्य में ब्राह्याडंबर का विरोध किस प्रकार किया है।

6) गुरु गोविंद सिंह जी का संक्षिप्त जीवन परिचय दीजिए।

7) घनानंद के वियोग वर्णन का निरूपण कीजिए।

4. निम्नलिखित अति-लघुत्तरी प्रश्नों के उत्तर तीन से पांच पंक्तियों में लिखिए। **10**

1) भूषण के दरबारी जीवन पर टिप्पणी लिखिए।

2) केशव के रामभक्ति परंपरा पर प्रकाश डालिए।

3) रसखान की रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए।

4) घनानंद का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

5) 'नामदेव गाथा' के बारे में आप क्या जानते है?

5. निम्नलिखित निर्देशों या विकल्पों के आधार पर वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य है। **10**

1) घनानंद किस काव्यधारा के प्रवर्तक है?
   अ) रीतिमुक्त ब) रीतिसिध्द
   क) रीतिबध्द ड) संधिकाल

2) संत नामदेव भक्त थे-
   अ) राम के ब) गोपाल के
   क) शिव के ड) विठ्ठल के

3) कबीर के गुरु का नाम था?
   अ) नरहरि ब) शंकराचार्य
   क) रामानुजाचार्य ड) रामानंद

4) केशवदास किसके राज्याश्रित कवि रहे?
   अ) शिवसिंह ब) जयसिंह
   क) विक्रमसिंह ड) इंद्रजीत सिंह

5) 'गुरुग्रंथ साहिब' के गुरुपद पर प्रतिष्ठित किया?
   अ) गोविंद सिंह ब) तेग बहादुर
   क) नानक ड) अर्जुन देव

6) 'शिवबावनी' किस कवि की रचना है?
   अ) बिहारी ब) भूषण
   क) केशवदास ड) घनानंद

7) सूरदास का जन्म किस गांव में हुआ?
   अ) काशी ब) ओरक्षा
   क) मगहर ड) सीही

8) 'पुष्ठिमार्ग' की भक्ति किस श्रेणी में आती है?
   अ) हठयोग ब) निर्गुण
   क) सूफी ड) रागानुराग

9) किस काल को 'स्वर्णयुग' के नाम से जाना जाता है?
   अ) आदिकाल ब) भक्तिकाल
   क) रीतिकाल ड) आधुनिककाल

10) घनानंद का जन्म कब हुआ था?
   अ) संवत 1740 ब) संवत 1746
   क) संवत 1747 ड) संवत 1748

****